लिलियम की खेती

भूमि : बलुई दोमट।

जलवायु : 20° से 30° से0 ग्रेड दिन का तापमान तथा 15°–20° से0ग्रेड रात का तापमान वाली जलवायु।

कृषि तकनीक:

- **खेत की तैयारी:** दो-तीन बार जुताई कर क्यारियाँ बनाना जुताई के समय गोबर की खाद एवं यूरिया मिलाना।
- **क्यारियाँ बनाना:** 1-2 मीटर चौड़ाई तथा आवश्यतानुसार लम्बाई वाली उठी हुई क्यारियाँ बनाना।
- **बुवाई:** बल्व द्वारा प्रसार किया जाता हैं। पौधे से पौधे की दूरी 10-15 से.मी. लाइन से लाइन की दूरी 15-20 से.मी. बल्ब की गहराई 10-15 से.मी.।
- **बुवाई का समय:** पर्वतीय क्षेत्रो में बल्वों की बुवाई फरवरी-मार्च तथा मैदानी क्षेत्रो में अक्टूबर माह।
- **कर्षण क्रियाऐं:** बुवाई के बाद क्यारियों में सिंचाई निराई गुड़ाई तथा यूरिया का टॉप ड्रेपिंग के रूप में उपयोग।
- **फसल सुरक्षा:** कीटों के प्रकोप के बचाव हेतु 2 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से मोनो क्रोटोफास का छिड़काव। बीमारियों से रोकथाम के लिए बावेस्टीन 3 ग्राम प्रति लीटर की दर से समय-समय पर छिड़काव।
- **फसल कटाई (स्पाइक कटिंग):** कलियों के खिलने से पहले भूमि से 4 इन्च ऊपर पौधे को काटकर डन्डी को पानी में डालते हैं। 10-10 डन्डियों (स्पाइक) का एक बन्डल बनाकर कागज/पोलीथीन में लपेटकर तथा 1मी. लम्बा 50 से.मी. चौड़ाई वाले गत्तों के डिब्बे (कार्टन) में पेकिंग कर के विपणन हेतु भेजते हैं।
- **बल्वों की खुदाई:** स्पाइक (डन्डी) कटिंग के एक माह बाद बल्वों की खुदाई करके स्टोर कर लेते हैं।
- **बल्वों का उपचार:** बल्वो को पानी से धोकर बैविस्टीन के 5 ग्राम/लीटर के घोल में 10 मिनट तक उपचारित करने के बाद छाया में सुखा कर भण्डारण करना।
- **बल्वो को कोल्ड स्टोरेज में रखना:** बल्वो को कोकोपिट में मिलाकर कोल्ड स्टोरेज में भण्डारण करना।
- **उन्नतिशील प्रजातियाँ:** पाविका, मेनार्का, ब्रुनेला, नवोना (90 दिन में कटिंग), बर्नीनी, लामान्चा, स्म्पिलान, साइबेरिया, एक्सप्रेशन, स्टार गेजर।

चरण-1

चरण-2

चरण-3

चरण-4

चरण-5

चरण-6

चरण-7

चरण-8

चरण-9

लिलियम की विभिन्न प्रजातियाँ

Printed at SHIVA OFFSET PRESS, Dehradun Ph. 0135-2715748

DEPARTMENT OF HORTICULTURE & FOOD PROCESSING, CIRCUIT HOUSE, Dehradun (Uttarakhand) INDIA ❙ Horticulture Mission for North East & Himalayan States, Uttarakhand ❙ E-mail: missionhortiuk@gmail.com ❙ Ph: 0135-2754961
For further details contact: Dr. I.A. Khan, Joint Director ❙ E-mail: imtiaz05@rediffmail.com